MEMORY BASED QUESTIONS OF UGC NET HINDI - 06 JAN 2026 SHIFT 2

Q1. देवनागरी लिपि की विशेषता नहीं है?
(a) यह आक्षरिक है
(b) इसमें एक वर्ण के लिए ध्वनि है
(c) वर्णमाला का वर्णक्रम वैज्ञानिक है
(d) इसमें सुधार की कोई जरुरत नहीं
Answer:
D
Sol:
परिचय: देवनागरी लिपि भारत की सबसे प्रमुख लिपियों में से एक है जिसमें हिंदी, संस्कृत, मराठी, नेपाली आदि भाषाएँ लिखी जाती हैं। यह लिपि अपनी वैज्ञानिकता और व्यवस्थित स्वरूप के लिए जानी जाती है।
जानकारी बूस्ट [redacted]
देवनागरी एक [redacted]
इसमें वर्णों का [redacted]
सुधार की आवश [redacted]
अतिरिक्त ज्ञान:
देवनागरी लिपि [redacted]
इसमें शिरोरेखा [redacted]
यूनिकोड के मा [redacted] योग आसान [redacted]

Q2. कारक-वर्ग [redacted] य है?
(a) करण-कारक [redacted] से/द्वारा)।
(b) अधिकरण- [redacted] : में/पर)।
(c) संप्रदान-का [redacted]
(d) संबंध-कार [redacted]
Answer:
C
Sol:
परिचय: कारक [redacted] और अ [redacted] निर्धारण के लिये अ [redacted] है।
सूचना वर्धक:
1. (c) गलत है: [redacted]
2. संप्रदान-कार [redacted]
3. (a),(b),(d) [redacted]
अतिरिक्त ज्ञान:
कारक की सही पहचान वाक्य-भाव और समास/विग्रह प्रश्नों में काम आती है।

Q3. निम्न बोलियों में से बंगारू (हिसार क्षेत्र) किस भाषा-परिवार की उपभाषा मानी जाती है?
(a) शौरसेनी → पश्चिमी-हिंदी समूह
(b) मागधी → पूर्वी-हिंदी समूह
(c) राजस्थानी → पश्चिम-आर्यन समूह
(d) द्रविड़ → दक्षिण-भाषाई समूह
Answer:
A

Sol:
परिचय (Introduction):
भारत में भाषाओं और बोलियों का वर्गीकरण आर्य, द्रविड़, आस्ट्रिक आदि प्रमुख भाषा-परिवारों के अंतर्गत किया गया है। बंगारू हरियाणा के हिसार, भिवानी, सिरसा क्षेत्र में बोली जाने वाली एक पश्चिमी हिंदी उपभाषा है।
सूचना संवर्द्धक (Information Booster):
बंगारू (हरियाणवी) का मूल शौरसेनी अपभ्रंश है, जो आगे चलकर पश्चिमी हिंदी समूह में विकसित हुआ। अतः इसका सही वर्गीकरण — शौरसेनी → पश्चिमी हिंदी समूह है।
मागधी से विकसित बोलियाँ (जैसे अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी) पूर्वी हिंदी समूह की हैं, बंगारू से नहीं जुड़ीं।
राजस्थानी पश्चिम-आर्यन समूह की प्रमुख शाखा है, पर यह पश्चिमी हिंदी से पृथक मानी जाती है।
द्रविड़ भाषा परिवार दक्षिण भारत में प्रचलित (तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम) भाषाओं का समूह है, जिसका बंगारू से कोई संबंध नहीं।
अतिरिक्त ज्ञान (Additional Knowledge)
पश्चिमी हिंदी स
शौरसेनी अपभ्रं

Q4. 'मुर्दहिया' क्या है?
A. मुर्दहिया के
B. भुतही पारि
C. भुतनिया ना
D. मुर्दहिया त
E. अकाल में अं
नीचे दिए गए
(a) A, B, C, D
(b) B, C, A, D
(c) B, D, E, A
(d) A, D, C, B
Answer:
C
Sol:
'मुर्दहिया' आत तुलसीराम ने विभिन्न शीर्षकों में विभाजित किया है इ D, E, A, C
पाँच प्रमुख उप
भूतही पारिवा
मुर्दहिया तथा
अकाल में अंध
मुर्दहिया के गिद्ध तथा लोकजीवन (A)
भूतनिया नागिन (C)
मुर्दहिया'-
लेखक: डॉ. तुलसीराम.
विधा: आत्मकथा.
विषय: दलित जीवन, सामाजिक भेदभाव, व्यक्तिगत संघर्ष, और ग्रामीण जीवन.
महत्व: "मुर्दहिया" दलित साहित्य में एक महत्वपूर्ण कृति है, जो दलितों के जीवन के यथार्थ को उजागर करती है और दलित आत्मकथा लेखन में एक नया मोड़ लाती है.
भाग: यह आत्मकथा दो भागों में प्रकाशित हुई है, "मुर्दहिया" और "मणिकर्णिका".
भाषा: सरल, सहज और प्रभावशाली.
शैली: आत्मकथात्मक, जिसमें लेखक ने अपने जीवन के अनुभवों को सीधे और भावनात्मक रूप से प्रस्तुत किया है.

"मुर्दहिया" का महत्व:
"मुर्दहिया" दलित साहित्य में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है, क्योंकि यह न केवल दलितों के जीवन के संघर्षों को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि कैसे एक दलित व्यक्ति अपनी परिस्थितियों से जूझते हुए आगे बढ़ता है. इस आत्मकथा में, तुलसीराम ने जाति व्यवस्था, सामाजिक भेदभाव, और गरीबी जैसे मुद्दों को बेबाकी से उठाया है, जिससे पाठक दलित जीवन की वास्तविकताओं से परिचित होते हैं.

'मुर्दहिया' के सात उपशीर्षक इस प्रकार हैं:
1.भूतही पारिवारिक पृष्ठभूमि-
लेखक के जन्म, परिवार, जातिगत जीवन और सामाजिक ढाँचे की भूमिका।
बाल्यकाल की छाया में पले अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र का उल्लेख।
2. मुर्दहिया तथा स्कूली जीवन-
शिक्षा के आरंभिक संघर्ष, जातिगत अपमान, और दलित होने की पीड़ा।
'मुर्दहिया' (श्म [redacted]
3.अकाल में अंध [redacted]
1950 के दशक [redacted]
भूख और अंधवि [redacted]
4.मुर्दहिया के [redacted]
शोषण, धार्मिक [redacted]
मुर्दहिया के आ [redacted]
5.भूतनिया ना [redacted]
लोकविश्वासों, [redacted]
डर और आस्था [redacted]
6.शिक्षा और सं [redacted]
लेखक का शहर [redacted]
राजनीतिक-सा [redacted]
7. सांस्कृतिक [redacted]
ब्राह्मणवादी व [redacted]
अंबेडकरवाद, ब [redacted]

Q5. निबंध 'क [redacted]
A. कविता का [redacted]
B. कविता और [redacted]
C. कविता का [redacted]
D. कविता की [redacted]
(a) A, B, C, D [redacted]
(b) B, A, D, C
(c) A, D, B, C
(d) C, A, B, D
Answer:
A
Sol:
परिचय: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का निबंध 'कविता क्या है' हिन्दी आलोचना का महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है।
सूचना संवर्धक:
पहले *कविता की परिभाषा* दी गई है।
फिर *कविता और जीवन के संबंध* पर विचार है।
उसके बाद *कविता के सौन्दर्यबोध* की व्याख्या की गई है।
अंत में *कविता की सामाजिकता* को स्पष्ट किया गया है।

अतिरिक्त जानकारी:
(b), (c), (d) विकल्पों में विचारों का क्रम वास्तविक रूप से नहीं रखा गया है।

Q6. शिवशंभु के चिटठे के संदर्भ में सही नहीं है?
(a) 'विशाल भारत' 11 अप्रैल 1903 ई. से 9 मार्च 1907 ई. तक प्रकाशित हुआ।
(b) बालमुकुंद गुप्त का प्रसिद्ध निबन्ध है।
(c) इसमें गुप्त जी ने अंग्रेजी शासन की आलोचना की है।
(d) यह निबंध प्रतीकात्मक शैली में लिखा गया है।
Answer:
A
Sol:
परिचय (Introduction): शिवशंभु के चिट्ठे बालमुकुंद गुप्त का प्रसिद्ध व्यंग्य निबंध है जो अंग्रेजी शासन पर कटाक्ष करता है।
जानकारी बूस्ट [redacted] हुआ था • यह तथ्यात्मक गलत [redacted]
अतिरिक्त ज्ञान [redacted] बंध प्रतीकात्मक शैली में लिखा [redacted]

Q7. 'बकरी' ना [redacted]
A. यह नाटक न [redacted] ों के माध्यम से सामाजिक अन्य [redacted]
B. यह नाटक [redacted]
C. इस नाटक के [redacted]
D. यदि हिन्दी [redacted] बीच ले जाना हिन्दी रंगमंच के [redacted] यन कीजिए :
(a) केवल A औ [redacted]
(b) केवल B औ [redacted]
(c) केवल A औ [redacted]
(d) केवल B औ [redacted]
Answer:
C
Sol:
परिचय (Intro [redacted] संबंधित है।
जानकारी बूस्ट [redacted] ोई ऐसा नाटक होता.. (A), यि [redacted] ंचीय दृष्टि और सामाजिक प्रति [redacted]
अतिरिक्त ज्ञान (Additional Knowledge): • 'बकरी' नाटक सामाजिक अन्याय और शोषण पर केंद्रित है। • यह नाटक लोकजीवन और लोकभाषा का सशक्त उपयोग करता है।

Q8. आधे अधूरे नाटक का पात्र नहीं है?
(a) महेंद्रनाथ
(b) मनमोहन
(c) जुनेजा
(d) अशोक
Answer:
B
Sol:

परिचय (Introduction): आधे अधूरे मोहन राकेश का प्रसिद्ध नाटक है जो मध्यवर्गीय जीवन की टूटन और अधूरेपन को दर्शाता है।
जानकारी बूस्टर (Information Booster): • मनमोहन इस नाटक का पात्र नहीं है • महेंद्रनाथ, जुनेजा और अशोक मुख्य पात्र हैं
अतिरिक्त ज्ञान (Additional Knowledge): • यह नाटक आधुनिक हिंदी नाटक की क्लासिक कृति मानी जाती है • मोहन राकेश ने मध्यवर्गीय संबंधों की जटिलताओं को उजागर किया है

Q9. 'महाभोज' नाटक का मूल कथानक किस पर आधारित है ?
(a) जातीय असमानता
(b) राजनीतिक षड्यंत्र और सत्ता संघर्ष
(c) धार्मिक पाखंड
(d) स्त्री-वेदना और सामाजिक अन्याय
Answer:
B
Sol:
परिचय :
‘महाभोज’ हिन[redacted]की राजनीतिक सच्चाइयों, सत्ता [redacted]
जानकारी [redacted]
1. नाटक का मू[redacted]र्ष का हथियार बना लेती हैं।
1. *‘महाभोज’* मे[redacted]कर रह गई है।
1. नाटक का श[redacted]
1. इसमें लोकतं[redacted]
अतिरिक्त ज्ञान [redacted]
1. ‘महाभोज’ क[redacted]मिली।
1. प्रमुख पात्र -[redacted]
1. यह नाटक हि[redacted]
1. मन्नू भंडारी [redacted]
1. उन्होंने ‘महा[redacted]

Q10. 'आधे अ[redacted]
(A) यह नाटक [redacted]
(B) श्री ओम शि[redacted]
(C) इसके पात्र, स्थितियाँ एवं मनःस्थितियाँ यथार्थपरक तथा विश्वसनीय नहीं लगतीं।
(D) 'आधे अधूरे' आज के जीवन के एक गहन अनुभव-खंड को मूर्त करता है।
(E) इस नाटक की भाषा में वह सामर्थ्य है जो यथार्थ को सजीव बनाती है।
सही विकल्प चुनिए:
(a) केवल A, B, D, E
(b) केवल A, D, E
(c) केवल B, C, D
(d) केवल A, B, C
Answer:
A
Sol:
परिचय :

'आधे अधूरे' हिन्दी रंगमंच के प्रसिद्ध नाटककार मोहन राकेश द्वारा रचित नाटक है। यह नाटक भारतीय मध्यवर्गीय जीवन के असंतोष, टूटन और अस्तित्व संकट को अत्यंत यथार्थ रूप में प्रस्तुत करता है।
जानकारी संवर्द्धक :
1. 'आधे अधूरे' का प्रमुख विषय है — आधुनिक पारिवारिक विघटन और मनुष्य की अधूरी संतुष्टि।
1. नाटक जीवन की विडंबनाओं और संबंधों के संघर्ष को बारीकी से दर्शाता है।
1. इस नाटक को प्रसिद्ध अभिनेता ओम शिवपुरी ने हिन्दी रंगमंच का *पहला सच्चा समकालीन नाटक* कहा था।
1. इसकी भाषा संवादप्रधान, स्वाभाविक और वास्तविक है — जो पात्रों के मनोभावों को सजीव करती है।
1. 'आधे अधूरे' का प्रत्येक पात्र *जीवन की अधूरी इच्छाओं और अपूर्ण संतोष* का प्रतीक है।
अतिरिक्त ज्ञान :
1. 'आधे अधूरे' में *सवित्री, महेन्द्रनाथ, आशा, बिन्नी, अशोक* जैसे पात्र हैं, जो टूटते हुए परिवार का चित्र प्रस्तुत करते हैं।
1. नाटक में राकेश ने कहा — "हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में अधूरा है।"
1. इसे हिन्दी रं[redacted]
1. इस रचना से[redacted]

Q11. 'ध्रुवस्वा[redacted]
(a) यह प्रसाद [redacted]
(b) इस नाटक [redacted]
(c) इसमें राजन[redacted]
(d) यह नाटक [redacted]
Answer:
C
Sol:
परिचय :
'ध्रुवस्वामिनी' [redacted] आत्मबल और
नैतिक दृढ़ता क[redacted]
जानकारी संवर्द्ध[redacted]
1. यह नाटक प्र[redacted]
1. इसमें राजनी[redacted]
1. ध्रुवस्वामिनी[redacted]
1. इसलिए विक[redacted]योंकि नाटक में
राजसत्ता, कूटनी[redacted]
अतिरिक्त ज्ञान [redacted]
1. ध्रुवस्वामिनी[redacted]
1. पात्र — *ध्रुवस्वामिनी, मिहिरदेव, कोमा, मन्दाकिनी* — आदर्श और यथार्थ के द्वन्द्व का प्रतीक है।
1. प्रसाद ने इतिहास का प्रयोग सामाजिक दर्शन और नैतिकता के मंच के रूप में किया है।
1. इस नाटक से हिन्दी रंगमंच को आदर्शवाद और जीवनदर्शन की गहराई प्राप्त हुई।

Q12. 'आगरा बाजार' नाटक में आये पात्रों को पहले से बाद के क्रम में लगाइए —
A. लड्डू वाला
B. तरबूज वाला
C. फ़क़ीर
D. बर्फवाला
E. ककड़ी वाला

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A, B, C, E, D
(b) B, E, A, D, C
(c) C, A, B, D, E
(d) A, B, E, C, D
Answer:
C
Sol:
परिचय:
'आगरा बाज़ार' हबीब तनवीर द्वारा लिखा गया एक लोकनाट्य शैली का सामाजिक नाटक है। इसमें आम जनता, बाजार, व्यापारी, कवि और समाज की आर्थिक-सांस्कृतिक स्थिति को बड़े ही सहज और जीवंत रूप में दिखाया गया है।
सूचना संवर्धक (Information Booster):
नाटक की शुरुअ
इसके बाद मंच
फिर आता है ब
अंत में ककड़ी व
अतिरिक्त ज्ञान:
यह नाटक लोक
इसमें आम जन
पात्रों का क्रम न

करते हैं।
कविता।
ाता है —

Q13. 'उसने क
(a) सुदर्शन
(b) चंद्रधर शम
(c) वेद प्रकाश
(d) उपर्युक्त में
E. उपर्युक्त
Answer:
B
Sol:
'उसने कहा था' के लेखक चंद्रधर शर्मा गुलेरी है
उसने कहा था-
चंद्रधर शर्मा गु
इस कहानी का
यह कहानी प्रथ
या है।
कहानी का मुख्य पात्र लहना सिंह है, जो सूबेदार हजारा सिंह की पत्नी (सूबेदारनी) से बचपन में मिलता है और उसके साथ प्रेम-संबंध विकसित करता है।
लहना सिंह एक सैनिक है जो युद्ध में शामिल होता है। सूबेदारनी एक साधारण महिला है जो अपनी शादी से पहले लहना सिंह को पसंद करती है।
लहना सिंह और सूबेदारनी की मुलाकात बचपन में होती है और दोनों एक-दूसरे से प्रभावित होते हैं।
कहानी प्रथम विश्व युद्ध के दौरान घटती है और युद्ध के दौरान लहना सिंह सूबेदारनी के पति और बेटे की रक्षा करता है।
लहना सिंह सूबेदारनी की रक्षा के लिए अपना जीवन भी त्याग देता है।
कहानी प्रेम और कर्तव्य के बीच संघर्ष को भी दर्शाती है। लहना सिंह सूबेदारनी से प्रेम करता है, लेकिन वह अपने कर्तव्य को निभाने में भी सक्षम होता है।
मुख्य पात्र:
लहना सिंह:कहानी का मुख्य पात्र, एक सैनिक और सूबेदारनी से प्रेम करने वाला।

सूबेदारनी:लहना सिंह से प्रेम करने वाली एक महिला, जो युद्ध के दौरान अपने पति और बेटे की रक्षा के लिए लहना सिंह से मदद मांगती है।
सूबेदार हजारा सिंह:सूबेदारनी का पति, जो युद्ध में शामिल होता है।
चंद्रधर शर्मा गुलेरी की अन्य कहानी- सुखमय जीवन 1911 ई., बुद्धू का कांटा 1914 ई.
सुदर्शन-
इनका अन्य नाम बद्रीनाथ भट्ट है इनकी कहानियाँ -
पुष्पलता 1919 ई.,हार की जीत 1922 ई., सुप्रभात 1923 ई., परिवर्तन 1926 ई.,सुदर्शन सुधा 1926 ई., तीर्थ यात्रा 1927 ई., फूलवती 1927 ई., सुदर्शन सुमन 1934 ई., गल्प मंजरी 1934 ई., पनघट 1939 ई.,अंगूठी का मुकदमा 1940 ई.
वेद प्रकाश मिश्र-
हिंदी साहित्य के एक प्रमुख कवि और लेखक हैं, जिनकी रचनाएँ मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक मुद्दों और जीवन के विविध पहलुओं को उजागर करती हैं।
प्रमुख कृतियाँ [redacted]
"दोनों अलग [redacted] ख, आशा और
आत्मचिंतन—[redacted] में ले जाती हैं
और उन्हें आत्म[redacted]

Q14. 'ईदगाह'[redacted]
(a) वकील
(b) सिपाही
(c) खंजरी
(d) भिश्ती
Answer:
D
Sol:
परिचय (Intro[redacted]च्चों, विशेष रूप
से नायक हामि[redacted]
जानकारी बूस्ट[redacted]
कहानी में, हामि[redacted]
यह विवरण ब[redacted]वसाय था) को
दर्शाता है।
इसके विपरीत,[redacted]ानी का केंद्रीय
भावनात्मक बिं[redacted]
अतिरिक्त ज्ञान [redacted]
अन्य बच्चे खिलौ[redacted]
'ईदगाह' कहानी निस्वार्थ प्रेम, बाल मनोविज्ञान और गरीबी में मानवीय मूल्यों की जीत की एक सुंदर कहानी है।

Q15. 'दुलायीवाली' कहानी में नायिका का संघर्ष किसके विरुद्ध है?
(a) समाज और पितृसत्ता दोनों के विरुद्ध
(b) केवल गरीबी के विरुद्ध
(c) धार्मिक रूढ़ियों के विरुद्ध
(d) अपने परिवार के विरुद्ध
Answer:
A
Sol:
परिचय: नायिका आर्थिक और सामाजिक दोनों प्रकार के शोषण से टकराती है।

सूचना वर्धक:
1. कहानी में स्त्री की मेहनत और सम्मान की जंग दिखाई देती है।
2. समाज उसकी पीड़ा को श्रम की तरह स्वीकार करता है, व्यक्ति की तरह नहीं।
3. लेखक ने नारी के आत्म–सम्मान को केंद्र में रखा है।
अतिरिक्त ज्ञान: यह कहानी ग्रामीण समाज में स्त्री–शक्ति के प्रतीकात्मक उदय को दर्शाती है।

Q16. निम्नलिखित वाक्य किस कहानी से लिया गया है'खून का वह आखिरी कतरा जो वतन की हिफाजत में गिरे दुनिया की सबसे अनमोल चीज़ है'?
(A). आहुति
(B). दुनिया का सबसे अनमोल रत्न
(C). सुभागी
(D). मंत्र
Answer: b
Solution:
प्रेमचंद की कह [redacted] न की हिफाजत में गिरे दुनिया [redacted] काशित हुई थी और बाद में प्रेम [redacted]
Information Booster:
प्रेमचंद की कह [redacted] प्रेम की परीक्षा में सफल होने [redacted] ्चाताप के आँसू लाता है, फिर [redacted] दिलफिगार एक देशभक्त सैनिक [redacted] से अनमोल रत्न मानती है। इस [redacted]
Additional Knowledge:
1. आहुति:
यह कहानी स्व [redacted] श्वविद्यालय के छात्र हैं। विशम [redacted] और स्वाधीनता आंदोलन में स [redacted] होकर उसकी ओर आकर्षित ह [redacted]। प्रकाशन वर्ष: 1930।
2. सुभागी:
प्रेमचंद की कह [redacted] है। कहानी की नायिका सुभाग [redacted]
सुभागी एक मे [redacted] का भाई रामू, जो स्वभाव से कठोर और स्वार्थी है, सुभागी के प्रति ईर्ष्या रखता है। सुभागी के विधवा होने के बाद, परिवार में तनाव बढ़ता है, और अंततः तुलसी महतो रामू से अलग होने का निर्णय लेते हैं।
तुलसी महतो की मृत्यु के बाद, सुभागी अपनी माँ लक्ष्मी की देखभाल करती है, लेकिन जल्द ही लक्ष्मी भी चल बसती हैं। माता-पिता के निधन के बाद, सुभागी पर 500 रुपये का ऋण चुकाने की जिम्मेदारी आती है, जिसे वह अपनी मेहनत और लगन से तीन वर्षों में चुका देती है।
कहानी के अंत में, गाँव के मुखिया सजनसिंह, सुभागी के समर्पण और निष्ठा से प्रभावित होकर, उसे अपनी बहू बनाने का प्रस्ताव रखते हैं, जिसे सुभागी विनम्रता से स्वीकार करती है।
'सुभागी' कहानी नारी की आत्मनिर्भरता, त्याग और समाज में उसकी प्रतिष्ठा को उजागर करती है। प्रेमचंद ने इस कथा के माध्यम से ग्रामीण जीवन की सच्चाईयों और पारिवारिक संबंधों की जटिलताओं को बखूबी प्रस्तुत किया है।
3. मंत्र:

प्रेमचंद की कहानी 'मंत्र' में डॉ. चड्ढा, एक प्रतिष्ठित चिकित्सक, अपने निर्धारित गोल्फ खेलने के समय में एक वृद्ध ग्रामीण की गंभीर रूप से बीमार संतान का इलाज करने से इनकार कर देते हैं। वृद्ध की विनती के बावजूद, डॉ. चड्ढा उसे अगली सुबह आने के लिए कहते हैं, जिसके परिणामस्वरूप उस रात वृद्ध का पुत्र मृत्यु को प्राप्त होता है।
वर्षों बाद, डॉ. चड्ढा का पुत्र कैलाश, अपने जन्मदिन के अवसर पर, एक विषैले साँप द्वारा काटे जाने से गंभीर स्थिति में पहुँच जाता है। सभी चिकित्सा प्रयास विफल होने पर, किसी ने सुझाव दिया कि एक वृद्ध व्यक्ति, जो साँप के विष का मंत्र जानता है, कैलाश की जान बचा सकता है। वह वृद्ध वही व्यक्ति होता है, जिसका पुत्र डॉ. चड्ढा की उपेक्षा के कारण मरा था।
पहले तो वृद्ध अपने मन में प्रतिशोध की भावना के कारण जाने से इनकार करता है, लेकिन अंततः उसकी मानवता की भावना उसे प्रेरित करती है, और वह कैलाश की जान बचाने के लिए डॉ. चड्ढा के घर जाता है। वह अपने मंत्रों और उपचार के माध्यम से कैलाश को ठीक करता है और चुपचाप वहाँ से चला जाता है।

सूची 1 (रचना)	सूची 2 (रचनाकार
A. माटी की मूरते	1.रमणिका गुप्ता
B. मुर्दहिया	2.रामवृक्ष बेनीपुरी
C. आपहूदरी	3.कृष्ण चन्द्र
D. जामुन का पेड़	4.तुलसीराम

Q17. सूची 1 व
A B C D
(A). 1 2 3 4
(B). 2 4 1 3
(C). 2 4 3 1
(D). 4 2 3 1
Answer: b
Solution:

सूची 1 (रचना)	सूची 2 (रचनाकार
A. माटी की मूरते	2. रामवृक्ष बेनीपुरी
B. मुर्दहिया	4. तुलसीराम
C. आपहूदरी	1.रमणिका गुप्ता
D. जामुन का पेड़	3.कृष्ण चन्द्र

सूची 1 का सूची
आपहुदरी –
रमणिका गुप्ता की आत्मकथा है
यह आत्मकथा 2015 ईस्वी में लिखी गई
सामंती परिवार में जन्मी रमणिका ने अपने जीवन के हर पन्ने को इसमें प्रस्तुत करने का प्रयास किया है
जामुन का पेड़ –
कृष्ण चंद्र हास्य व्यंग्य शैली में लिखी गई कहानी है
इस कहानी में सरकारी जीवन शैली में लालफिताशाही की मिश्रित भ्रष्टाचारी व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया गया है जहां इंसानियत की जगह व्यवस्था महत्वपूर्ण हो जाती है
मुर्दहिया –
डॉ. तुलसीराम की आत्मकथा है जो दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड का नाम मुर्दहिया जो 2010 ईस्वी में आया और द्वितीय खंड

का नाम मणिकर्णिका जो 2014 ई.में आया
डॉक्टर तुलसीराम ने अपनी जीवन की कथा को पाठ के सामने वैसे ही रख दिया जैसा कि उन्होंने दिया और महसूस किया
मुर्दहिया आजमगढ़ में स्थित लेखक के गांव के श्मशान घाट का नाम है यह दलित जीवन की कर्मस्थली है
माटी की मूर्ति-
रामवृक्ष बेनीपुरी का रेखा चित्र है
इसका प्रकाशन 1946 ई. में हुआ
माटी की मूर्ति में संकलित सभी रेखाचित्र रामवृक्ष बेनीपुरी ने हजारीबाग सेंट्रल जेल में रहते हुए लिखे इन रेखा चित्रों में रामवृक्ष बेनीपुरी ने अपने जीवन के उन चुन्नीदा लोगों के बारे में लिखा है जो उन्हें अत्यंत प्रिय थे

Q18. 'संस्कृति के चार अध्याय' में तिलक के बारे में उपयुक्त बातें कौन सी हैं?
A. गीता रहस्य में तिलक जी ने सुस्पष्ट घोषणा की कि गीता क उद्देश्य निवृत्ति नहीं प्रवृत्ति का प्रतिपादन किया है।
B. कर्मण गृहस्[redacted]
C. तिलक के उ[redacted]
D. गीता का म[redacted]
E. तिलक जी ने[redacted]
नीचे दिए गए [redacted]
(A). केवल A, [redacted]
(B). केवल B, [redacted]
(C). केवल A, [redacted]
(D). केवल B, [redacted]
Answer: A
Solution:
संस्कृति के चार [redacted]
A. गीता रहस्य [redacted]
C. तिलक के उ[redacted]
E. तिलक जी ने [redacted]
संस्कृति के चार [redacted]
▯ रचियता - र[redacted] रस्कार मिला।
▯ इस पुस्तक [redacted]
▯ इस पुस्तक म[redacted]
▯ इस रचना म[redacted] भिन और इस
भिन्नता का का[redacted]
▯ रामधारी सि[redacted] इतिहास इन्हीं
चार क्रांतियों का इतिहास है।
रामधारी सिंह दिनकर के निबंध संग्रह -
▯ मिट्टी की और 1996, अर्धनारीश्वर 1952, रेती के फूल 1954, हमारी सांस्कृतिक एकता 1956, वेणुवन 1958, उजली आग 1956, राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता 1958, धर्म नैतिकता और विज्ञान 1959, वटपीपल 1961, साहित्य मुखी 1968, आधुनिकता बोध 1973.
▯ संस्कृति के चार अध्याय में तिलक के बारे में उपयोगि बाते सही नहीं है –
▯ कर्मण गृहस्थ को योगी, सन्यासी और भक्तों के समकक्ष नहीं माना जा सकता।
▯ गीता का मार्ग सन्यास का मार्ग है संसार त्याग और कर्मन्यास का मार्ग है।

Q19. पृथ्वीराज रासो रेवा तट समय के बारे में कौनसे कथन सही है?

A. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने इसका आरंभ शुक - शुकी संवाद से माना है
B. पृथ्वीराज रासो के रेवा तट की रचना संवाद शैली में हुई है
C. पृथ्वीराज रासो में केवल सात सर्गो को ही प्रमाणित माना गया है
D. रेवा तट सर्ग को प्रमाणित माना गया है
E. रेवा तट समय में पृथ्वीराज ने रेवा नदी के तट पर अलाउद्दीन खिलजी के साथ हुए भयानक युद्ध का वर्णन है
(A). A, B और C
(B). A, C और E
(C). A, D और E
(D). A, B और D
Answer: a
Solution:
पृथ्वीराज रासो [redacted]
यह पृथ्वीराज [redacted]
चंद्रवरदाई पृथ [redacted]
आचार्य हजारी [redacted] मानना है
पृथ्वीराज रासो [redacted]
पृथ्वीराज रासो [redacted]
रेवा तट सर्ग क [redacted]
रेवा तट समय [redacted]
ऐतिहासिक है [redacted] कथानक में भी
रूढ़ियों का सह [redacted] है

सूची 1 (उपन्यास)-	सूची 2 (पात्र)
A. शिभूदयाल	1. आपका बंटी
B. शकुन	2. धरती धन न अपना
C. सोमराज	3. परीक्षा गुरु
D. विशनदास	4. झूठा सच

Q20. सूची 1 [redacted] –
A B C D
(A). 3 1 4 2
(B). 3 2 4 1
(C). 2 3 4 1
(D). 2 4 1 3
Answer: a
Solution:

सूची 1 (उपन्यास)-	सूची 2 (पात्र)
A. शिभूदयाल	3. परीक्षा गुरु
B. शकुन	1. आपका बंटी
C. सोमराज	4. झूठा सच

सूची 1 का सूची 2 से मिलान -3 1 4 2
परीक्षा गुरु-
यह लाला श्रीनिवास दास का उपन्यास है
जिसका प्रकाशन 1882 ई. में हुआ
इस उपन्यास में तत्कालीन मध्यम वर्गीय जीवन का चित्रण है मिलता है जो पश्चिमी आधुनिकता से विशेष प्रभावित है यह उपन्यास कथा प्रधान नहीं बल्कि उपदेश प्रधान है

यह उपन्यास 41 प्रकरणों में विभक्त है
आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने परीक्षा गुरु को अंग्रेजी ढंग का हिंदी का पहला उपन्यास माना है
पात्र - लाला मदन मोहन, लाला ब्रजकिशोर, मुंशी चुन्नीलाल, मास्टर शिभूदयाल,हरकिशोर, कामिनी, प्रियंवदा,पंडित पुरुषोत्तम दास, हकीम अहमद हुसैन,बाबू बैजनाथ, लाला हरदयाल, हरगोविंद,श्री ब्राइट नि निहाचंद्र मोदी, आगा हसन जान
आपका बंटी-
यह मनु भंडारी का उपन्यास है जो 1971 ईस्वी में प्रकाशित हुआ
जो तलाक शुदा दम्पतियों के बच्चों पर पढ़ने वाले प्रभाव से जुड़ा है
यह मनु भंडारी द्वारा रचित एक बाल मनोवैज्ञानिक उपन्यास है
यह 16 भागों में विभक्त है
इस उपन्यास के केंद्र में बनती है जो पारिवारिक विसंगति का शिकार है
पात्र - बंटी, अजय, शकुन, वकील चाचा, फूफी, डॉक्टर जोशी, प्रमिला, अमी, जोत, मीरा, चिन्नू, टीटू, कुन्नी, माली चपरासी,बंसील [redacted]
झूठा सच-
यह यशपाल क [redacted]
यह उपन्यास के [redacted]
इस उपन्यास म [redacted] या है
पात्र - तारा, ज [redacted] रा से होता है),
पंडित गिरधारी [redacted] त्तम, नरोत्तम,
मिस्टर रावत [redacted]
धरती धन न अ [redacted]
यह जगदीश चं [redacted]
लेखक ने यह उ [redacted]
इस उपन्यास क [redacted]
इस उपन्यास म [redacted]
पात्र - काली, [redacted], प्रीतो, निक्कू,
शिवराम लछो, [redacted]

Q21. 'मैं नीर [redacted]
1. इसमें [redacted]
2. इसमें [redacted]
3. स्त्री क [redacted]
4. रत्री अ [redacted]
नीचे दिए गए [redacted]
(A). 1 और 3

(B). 2 और 4

(C). 1 और 2

(D). 3 और 4
Answer: d
Solution:
महादेवी वर्मा की कविता **'मैं नीर भरी दुःख की बदली'** में कवयित्री ने अपने जीवन की तुलना एक ऐसी बदली से की है, जो दुःख से परिपूर्ण है। वह कहती हैं कि जैसे बदली आकाश में भटकती रहती है, वैसे ही उनका जीवन भी निरंतर दुःखों से घिरा रहा है।

इस कविता में उन्होंने स्त्री के जीवन में व्याप्त दुःखों और उसकी सहनशीलता को दर्शाया है।

प्रतिपाद्य:

कविता के मुख्य प्रतिपाद्य निम्नलिखित हैं:

1.

स्त्री का जीवन दुःख में ही बीतता रहा है: कवयित्री ने अपने जीवन को दुःख से भरी बदली के रूप में प्रस्तुत किया है, जो निरंतर दुःखों का सामना करती रही है।

2.

स्त्री अपने आँसुओं को व्यर्थ नहीं जाने देती; वह उसी से नया सृजन करती रही है: कवयित्री ने संकेत दिया है कि जैसे बदली के जलकण धरती पर गिरकर नए जीवन का सृजन करते हैं, वैसे ही स्त्री अपने दुःखों से सीखकर और मजबूत बनती है, और नए सृजन में योगदान देती है।

इस प्रकार, कविता में स्त्री के जीवन की कठिनाइयों और उसकी सृजनशीलता को मार्मिक रूप से अभिव्यक्त किया गया है।

Information Booster:

महादेवी वर्मा [redacted] थीं। उन्हें छायावादी [redacted] और आध्यात्मिकता [redacted]

जीवन परिचय [redacted]

महादेवी वर्मा [redacted] प्रसाद वर्मा, भागलपुर के [redacted] जी की प्रारंभिक [redacted] किया। वहीं उनकी मित्रता [redacted] ने 1932 में इलाहाबाद [redacted]

प्रमुख रचनाएँ [redacted]

महादेवी वर्मा [redacted] हैं:

1.

काव्य संग्रह:

2. [redacted]

3. [redacted]

4. [redacted]

5. [redacted]

6. [redacted]

7. [redacted] किया गया।

8.

गद्य रचनाएँ:

9. [redacted]

10. **'स्मृति की रेखाएँ'** (1943): यह भी एक संस्मरण संग्रह है।

11. **'पथ के साथी'** (1956): इसमें उनके जीवन के विभिन्न साथियों के बारे में लिखा गया है।

12. **'शृंखला की कड़ियाँ'** (1942): यह निबंध संग्रह है, जिसमें नारी जीवन की समस्याओं पर विचार किया गया है।

13. **'मेरा परिवार'** (1972): इसमें उन्होंने अपने पालतू पशुओं के बारे में लिखा है।

सम्मान और पुरस्कार:

महादेवी वर्मा को उनके साहित्यिक योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें प्रमुख हैं:

- **साहित्य अकादमी पुरस्कार** (1956): काव्य संग्रह 'यामा' के लिए।
- **पद्म भूषण** (1956): साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए।
- **भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार** (1982): हिंदी साहित्य में उनके समग्र योगदान के लिए।
- **पद्म विभूषण** (1988, मरणोपरांत): भारत सरकार द्वारा।

Q22. जायसी कृत पदमावत के विषय में कौन सा कथन असंगत है?
(A). तुलसी कृत 'मानस' के अनुकरण पर जायसी ने भी इसमें दोहा चौपाई शैली को अपनाया
(B). यह एक प्रेमाख्यान काव्य है
(C). इसकी भाषा ठेठ अवधि है
(D). इसमें नागमती का वियोग वर्णन प्रवासजन्य विरह वर्णन के अंतर्गत आता है
Answer: a
Solution:
तुलसी कृत मानस के अनुकरण पर जायसी ने भी इस में दोहा चौपाई शैली को अपनाया है यह कथन जायसी कृत पद्मावत के बारे में असंगत है
जायसी के पद्मावत में 5 -5 चोपाई के बाद 1 दोहे का प्रावधान है इसके बाद 7 -7 चौपाई व 1 दोहे का प्रावधान है जायसी ने तुलसी से कड़व
जायसी कृत प
प्रवास जने वि
पद्मावत में ना
पद्मावत की क
पद्मावत का ना

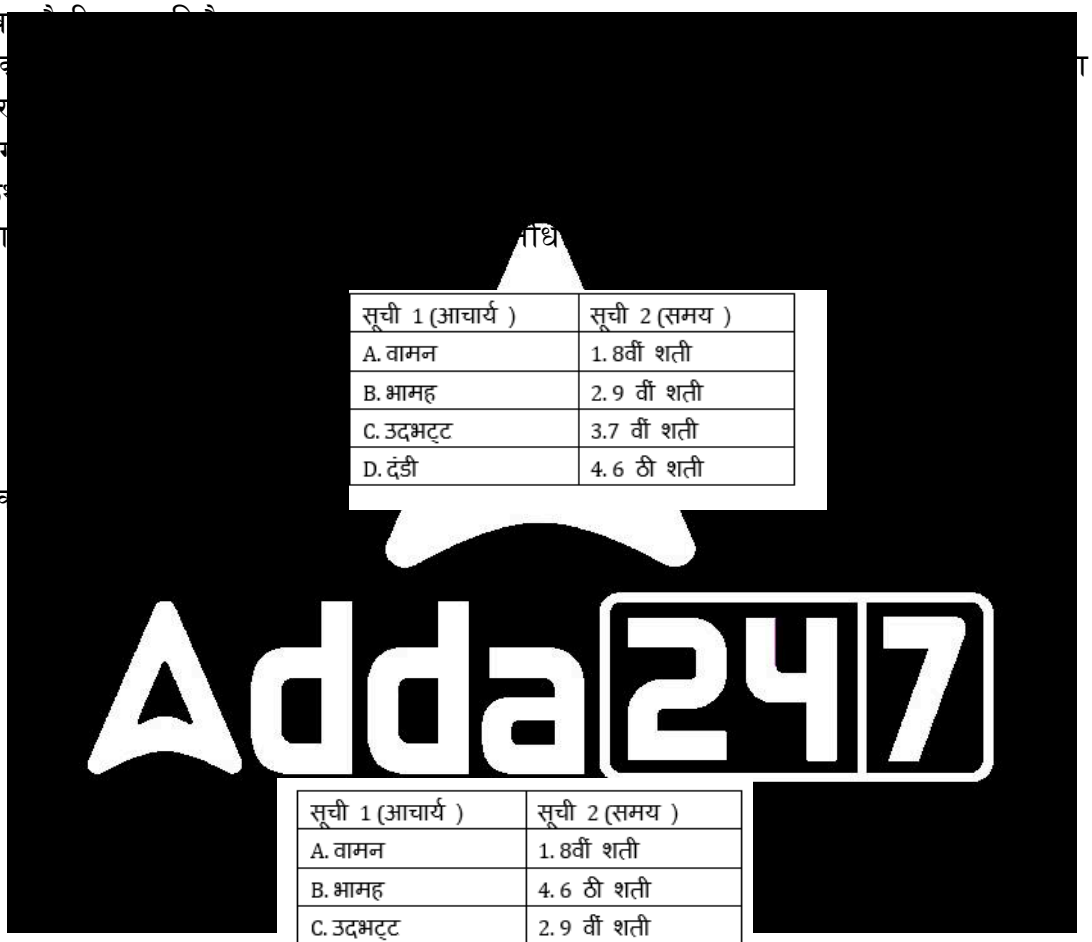

सूची 1 (आचार्य)	सूची 2 (समय)
A. वामन	1. 8वीं शती
B. भामह	2. 9 वीं शती
C. उदभट्ट	3.7 वीं शती
D. दंडी	4. 6 ठी शती

Q23. सूची 1
A B C D
(A). 1 3 4 2
(B). 1 2 4 3
(C). 1 4 2 3
(D). 2 3 4 1
Answer: c
Solution:

सूची 1 (आचार्य)	सूची 2 (समय)
A. वामन	1. 8वीं शती
B. भामह	4. 6 ठी शती
C. उदभट्ट	2. 9 वीं शती
D. दंडी	3.7 वीं शती

सूची 1 का सूची 2 से मिलान -1 4 2 3
वामन -
इनका समय 8वीं से 9 वीं शती के बीच है
'काव्यालंकार सूत्र' वामन की रचना है
'काव्यलंकार' इसकी रचना सूत्रों में की गई और सूत्रों पर वृति भी लिखी गई है
इसमें पांच परिच्छेद और 319 सूत्र है
भामह -
इनका समय 6 ठी शती का मध्यकाल है
उनकी रचना काव्यालंकार है
यह 6 परिच्छेदो में व्यक्त ग्रंथ है

उदभट्ट -
इनका समय 9 वीं शती का पूर्वार्ध है
इनका ग्रंथ 'काव्यलंकार सार संग्रह' है
दंडी-
इनका समय 7 वीं शती का उतरार्द्ध है
इनके द्वारा रचित ग्रंथ 'काव्यदर्श', 'भामह विवरण' है
काव्यदर्श में चार परिच्छेद और लगभग 650 श्लोक है

Q24. 'प्रेमचंद घर में' रचना के बारे में सत्य कथन है?
A. इस पुस्तक में शिवरानी देवी ने प्रेमचंद के संपूर्ण जीवन को दर्शाया
B. इसका प्रकाशन सन् 1944 ई. में हुआ
C.प्रेमचंद जी ने
D. प्रेमचंद का प्रेमा' को माना गया
E. प्रेमचंद 193
(A). केवल A,
(B). केवल A,
(C). केवल A,
(D). केवल A,
Answer: a
Solution:
'प्रेमचंद घर में'
A. इस पुस्तक
B. इसका प्रका
C.प्रेमचंद जी ने
प्रेमचंद घर में -
प्रेमचंद घर में
इस पुस्तक में
मुंशी प्रेमचंद क
इसमें के अनुसा
प्रेमचंद को उन
प्रेमचंद जी ने म
प्रेमचंद का पह माना गया जो 1905 में प्रयाग में छपा जबकि प्रेमा को दूसरा माना
इनके दो बेटे थे श्रीपत राय (धुन्नू) तथा अमृतराय (बन्नू) थे
फिल्म कंपनी में काम करने के लिए प्रेमचंद 1934 में पहली बार बंबई गए।
प्रेमचंद 1935 ईस्वी में प्रगतिशील लेखक संघ के सभापति बने
यह महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित थे सेवा इनका मूल धर्म था
शिवरानी देवी ने प्रेमचंद के संपूर्ण जीवन को इस पुस्तक में 88 भागों में दिखाया है
पुस्तक को श्रद्धांजलि बनारसी दास चतुर्वेदी तथा आमुख शिवरानी देवी ने लिखा है

Q25. जयशंकर प्रसाद की 'कामायनी' रचना के सर्गो को उनके सही क्रम के अनुसार लगाइये :
A. ईर्ष्या

B. वासना
C. आशा
D. रहस्य
E. निर्वेद
नीचे दिए गए विकल्पों में सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A). A, B, C, D, E
(B). C, B, A, E, D
(C). C, A, B, D, E
(D). B, C, A, E, D
Answer: b
Solution:
जयशंकर प्रसाद की कामायनी रचना के सर्गो का सही क्रम है - C, B, A, E, D
जयशंकर प्रसा [redacted]
इनकी कामायन [redacted]
कामायनी में [redacted] क्रम ऐसा रखा
गया जैसे मनुष् [redacted]
चिंता 2. आशा [redacted] 13. दर्शन 14.
रहस्य 15. आन [redacted]
अपनी आधुनि [redacted] कथा को आधार
बनाकर प्रसाद [redacted]
कामायनी शत [redacted]
कामायनी महा [redacted]
कामायनी में प्र [redacted]
डॉ.नगेंद्र ने काम [redacted]
नामवार सिंह [redacted] दर्भों से
इंद्रनाथ मदान [redacted]
मुक्तिबोध के अ [redacted]
जयशंकर प्रसा [redacted]
उर्वशी 1909 [redacted] ई., वभ्रूवाहन
1911 ई., कान [redacted] रना 1918 ई.,
आँसु 1925 ई., [redacted]

Q26. 'हम कौन [redacted]
(A). भारत- भारती
(B). यशोधरा
(C). द्वापर
(D). रंग में भंग
Answer: a
Solution:
'हम कौन थे, क्या हो गए और क्या होंगे अभी' यह पंक्ति मैथिली शरण गुप्त की भारत- भारती रचना से है
भारत भारती -
भारत भारतीय राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की प्रसिद्ध रचना है
इसका प्रकाशन वर्ष 1912 ईस्वी में हुआ
यह तीन करो में विभक्त है -

1.अतीत खंड
2.वर्तमान खंड
3.भविष्यत खंड
तीन खंडो में विभाजित यह कविता देश के अतीत और वर्तमान का मूल्यांकन करते हुए भविष्य के प्रति सबको सचेत करती है
संपूर्ण कविता की एक अध्याय पंक्ति है 'हम कौन थे, क्या हो गए और क्या होंगे अभी'
भारत भारती नवजागरण के उद्बोधन का काव्य है
इसमें मूल चिंता यही व्यक्त की गई है कि जिस भारत का अतीत इतना गौरवपूर्ण है वही आज इतना दुर्दशा ग्रस्त क्यों है
भारत भारती के वर्तमान खंड के उपखंडों के शीर्षक है कृषि और कृषक, रईसों के सपूत और धर्म की दशा
भारतवर्ष की श्रेष्ठता अतीत खंड का शीर्षक है
शुभकामना भविष्यत खंड का शीर्षक है
मैथिलीशरण गु [redacted]
की प्रमुख रचन [redacted]
रंग में भंग 19 [redacted] कार 1929 ई.,
विकटभट्ट 192 [redacted]
साकेत 1931 [redacted] रत 1952 ई.,
विष्णु प्रिया 19 [redacted]

Q27. 'मानस [redacted]
(A). मानस का [redacted]
(B). इस उपन्य [redacted] करते हैं
(C). कवितावल [redacted] ी है
(D). यह उपन्य [redacted]
Answer: d
Solution:
'मानस का हंस [redacted] ा और 23 मार्च
1972 अयोध्या [redacted]
क्योंकि यह उप [redacted] 2 रामनवमी के
दिन लखनऊ मे [redacted]
सत्य कथन
(a) मानस का [redacted]
(b) इस उपन्या [redacted] करते हैं
(c) कवितावली [redacted] है
'मानस का हंस' –
लेखक: अमृतलाल नागर
यह उपन्यास गोस्वामी तुलसीदास के जीवन और विचारों पर आधारित है।
उपन्यास के आमुख में नागर जी ने स्पष्ट लिखा है कि उन्होंने इसे लिखने से पहले तुलसीदास की कई रचनाओं का गहराई से अध्ययन किया।
विशेष रूप से उन्होंने 'विनयपत्रिका' को ध्यानपूर्वक पढ़ा और समझा, क्योंकि उसमें तुलसी का आत्मालाप, वैराग्य, भक्ति की गहराई और समकालीन सामाजिक पीड़ा मुखर रूप में प्रकट होती है।
"मानस का हंस" -
हिंदी साहित्य का एक प्रसिद्ध उपन्यास है जिसे अमृतलाल नागर ने लिखा है। यह उपन्यास गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर आधारित है और 1972 में प्रकाशित हुआ था. नागर जी ने इस उपन्यास में तुलसीदास को एक सामान्य मनुष्य के रूप में चित्रित

किया है, उनके बचपन के संघर्षों से लेकर राम नाम के मार्ग पर चलने तक की कहानी को दर्शाया है.
प्रमुख पात्र:
तुलसीदास, रत्नावली (उनकी पत्नी), पार्वती अम्माँ (जिन्होंने तुलसीदास का पालन-पोषण किया), और अन्य कई ऐतिहासिक पात्र.
उद्देश्य:
उपन्यास का उद्देश्य तुलसीदास के जीवन और उनके कार्यों के माध्यम से मध्ययुगीन समाज और संस्कृति को चित्रित करना है.

Q28. राग दरबारी उपन्यास के बारे में कौन से कथन सही है?
A. इस उपन्यास का प्रकाशन 1968 ई. में हुआ
B. यह उपन्यास पूर्णता व्यंग्य शैली में लिखा गया है जिसमें हास्य का पुट नजर आता है
C. राग दरबारी 42 अंशो में विभक्त संवाद शैली में रचित उपन्यास है
D. शिवपाल गं [redacted] वस्था आदि की
पोल खोल कर [redacted]
E. राग दरबारी [redacted]
(A). A, B और [redacted]
(B). A, C और [redacted]
(C). A, D और [redacted]
(D). A, B और [redacted]
Answer: d
Solution:
राग दरबारी उ [redacted]
इस उपन्यास क [redacted]
यह उपन्यास पू [redacted]
राग दरबारी 3 [redacted]
शिवपाल गंज [redacted] आदि की पोल
खोल कर रखी [redacted]
राग दरबारी उ [redacted]
व्यंग्य शैली में ह [redacted] न के साथ-साथ
पाठक को अ [redacted] क्ति में व्यापक
धोखाधड़ी,भ्रष्ट [redacted] ा है
श्री लाल शुक्ल [redacted]
सुनी घाटी का [redacted] कान 1976 ई.,
पहला पड़ाव 1 [redacted]

Q29. कबीर काव्य के बारे में कौन से कथन सत्य है?
A. कबीर काव्य में उपलब्ध अहिंसा का तत्व वैष्णव संप्रदाय की देन है
B. कबीर ने भारतीय ब्रह्मवाद के साथ सूफियों से भावात्मक रहस्यवाद लिया
C. इस्लाम से साधनात्मक रहस्यवाद लिया
D. वैष्णवो से अहिंसावात तथा पर प्रपतिवाद
E. हठयोगियों से एकेश्वरवाद ग्रहण किया
(A). केवल A, B और D
(B). केवल A, C और E
(C). केवल A, D और E

(D). केवल A, B और C
Answer: a
Solution:
कबीर काव्य के बारे में सत्य कथन है-केवल A, B और D
A. कबीर काव्य में उपलब्ध अहिंसा का तत्व वैष्णव संप्रदाय की देन है
B. कबीर ने भारतीय ब्रह्मवाद के साथ सूफियों से भावात्मक रहस्यवाद लिया
D. वैष्णवो से अहिंसावात तथा पर प्रपतिवाद
कबीर काव्य में उपलब्ध अहिंसा का तत्व वैष्णव संप्रदाय की देन है
कबीर ने भारतीय ब्रह्मवाद और के साथ सूफियों से भावात्मक रहस्यवाद लिया है
हठयोगीयों से साधनात्मक रहस्यवाद
इस्लाम से एकेश्वरवाद
वैष्णवों से अहि
कबीर - जन्म -
मृत्यु - 1518 ई
कबीर ने साखी
कबीर पढ़े लिखे
कबीर की रचन
साखी - कबीर
इसमें कबीर ने
यह दोहे या सा
सबद - दोहे या
कबीर ने अपनी
सबद का सच्चा
रमेनी - इसमें

Q30. राहुल सा
पुस्तक की विष
A. ल्हासा से उ
B. चाड़ की ओ
C. स्कय की औ
D. जेनम् की औ
E. नेपाल की ओ
(A). A, C, D,
(B). A, B, C, E, D
(C). A, B, C, D, E
(D). A, D, E, C, B
Answer: c
Solution:
राहुल सांकृत्यायन द्वारा रचित 'मेरी तिब्बत यात्रा' पुस्तक की विषय सूची का सही क्रम है-A, B, C, D, E
पुस्तक की विषय सूची है -
A. ल्हासा से उत्तर की ओर
B. चाड़ की ओर
C. स्कय की और
D. जेनम् की और

E. नेपाल की ओर
मेरी तिब्बत यात्रा -
यह राहुल सांकृत्यायन द्वारा रचित यात्रा वृतांत है
इसका प्रकाशन वर्ष 1937 ई. है
इसमें लेखक ने तिब्बत के समाज एवं संस्कृति तथा वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य व जलवायविक परिस्थितियों का जीवंत चित्रण किया है
साथ ही वहाँ के प्राचीन महत्वपूर्ण मंदिर में जाकर तथा प्रबुद्ध वर्ग के लोगों से मिलकर वहां मौजूद बड़ी मात्रा में सैकड़ो वर्षों पुरानी पांडुलिपियों का पता लगाया
पुस्तक की विषय सूची है -
1. ल्हासा से उत्तर की ओर
2. चाड़ की ओर
3. स्कय की औ [redacted]
4. जेनम् की औ [redacted]
5. नेपाल की अ [redacted]
ल्हासा की और [redacted]
यात्रा के अंतिम [redacted]
राहुल सांकृत्या [redacted] को दर्शाता है।
यह पुस्तक 19 [redacted] बौद्ध ग्रंथों और
वहां के लोगों के [redacted]
यात्रा वृत्तांत क [redacted]
यात्रा का उद्देश्य [redacted]
राहुल सांकृत्या [redacted]
यात्रा का विवर [redacted]
उन्होंने अपनी [redacted] हुए भी अपनी
यात्रा जारी रखे [redacted]
सांस्कृतिक और [redacted]
यात्रा के दौरान [redacted]
ज्ञान की खोज: [redacted]
राहुल जी ने इस [redacted] भी खींचे.